



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रारंभिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 30]

नई विल्सो, शनिवार, जमश्वरी 22, 1977/माघ 2, 1898

No. 30]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 22, 1977/MAGHA 2, 1898

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 22nd January 1977

S.O. 39(E)/18FB/IDRA/77.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 613(E)/18FA/IDRA/76, dated the 15th September, 1976, the management of two industrial undertakings owned by Messrs Bengal Potteries Limited, Calcutta and situated at 45, Tangra Road and 3, Pagladanga Road, Calcutta, have been taken over under sub-section (2) of section 18FA, read with section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years upto and inclusive of the 14th September, 1981,

And, whereas, the Central Government is satisfied that in relation to the said industrial undertakings, it is necessary so to do in the interest of the general public with a view to preventing fall in the volume of production of the scheduled industry, namely, ceramics industry,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clauses (a) and (b) of sub-section (1) of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that—

(a) the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) shall apply to the said industrial undertakings with the following adaptations, namely:—
section 9A Chapters VA and VB and section 33C shall be omitted;

(b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of publication of the said Order in the Official Gazette (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertakings are parties, or the company owning such industrial undertakings is a party or which may be applicable to the industrial undertakings or the company, as the case may be, and all or any of the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended.

2. This Order shall remain in force for a period of one year with effect on and from the date of its publication in the Official Gazette.

[No. F. 2(19)/75-CUC]

A. K. GHOSH, Addl. Secy.

उद्योग मंत्रालय

(श्रीदीय विवाद विभाग)]

आदेश

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर 1977

का० आ० ४९(भ)/१८ अव/आई डी आर ए/७७—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीदीय विवाद विभाग) के आदेश स० का० आ० ६१३ (प्रसा०) / १८ चक / १८क०९ उ० ७० वि० ७० अ०/७६, तारीख १५ सितम्बर, १९७६ द्वारा मैसर्स बंपाल पाटरीज लिमिटेड, कलकत्ता के दो श्रीदीय उपकरणों का, जो ४५, तांबा भाई और ३, पथलदंगा मार्ज, कलकत्ता में स्थित है, प्रबंध उद्योग (विवाद शीर विनियम) अधिनियम, १९५१ (१९५१ का ६५) की धारा १८क०९ के साथ पठित धारा १८ चक की उपधारा (२) के अधीन १४ सितम्बर, १९८१ तक, जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, प्रथम पाच वर्ष की अवधि के लिए प्रहृण कर लिया गया है।

और केंद्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि भनुसूचित उद्योग, अधिकृती भीनी मिट्टी (सिरैमिक्स) उद्योग के उत्पादन की मात्रा में गिरावट को रोकने की दृष्टि से साधारण जनता के हित में उक्त श्रीदीय उपकरण के सबध में, ऐसा करना आवश्यक है;

अत., अब, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा १८ चक की उपधारा (१) के बाणी (क) और (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषणा करती है कि —

(क) श्रीदीय विवाद अधिनियम, १९४७ (१९४७ का १४) उक्त श्रीदीय उपकरणों को, निम्नलिखित अनुकूलनों सहित, लायू होगा, प्रथम:—

धारा ९क, प्रधायाय ५क और ५ख तथा धारा ३३ व का लोप किया जाएगा;

(ख) राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशन की तारीख के ठीक पूर्वे प्रवृत्त ऐसी सभी सविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण-पत्रों, करारो, अवस्थापत्रों, पचाटो, स्थायी आदेशों या अन्य लिखितों का (उनसे भिन्न जो वैकों श्रीर वित्तीय सम्पत्तियों के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित है) जिसका उक्त श्रीदीय उपकरण पक्षकार है, या ऐसे श्रीदीय उपकरणों को स्वामी कम्पनी एक पक्षकार है, या जो यास्तियां, श्रीदीय उपकरणों या कम्पनी को लागू

हो, प्रबत्तन और उक्त तारीख के पूर्व तद्धीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी या कोई अधिकार, विभेदाधिकार, बाध्यतायें और दायित्व निवृत्त रहेंगे।

2. यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को और उससे एक वर्ष की अवधि के लिए प्रवृत्त रहेगा।

[सं० फा० 2(19)/75-सी यू सी]

ए० के० घोष, अपर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977

